Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 9104

PAPER – II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page and also on the Answer Sheet given inside this booklet.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬬ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर तथा इस पुस्तिका के अन्दर दिये गये उत्तर पत्रक पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬬ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

PAPER-II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

टिप्पणी : इमम्मि पण्हपत्ते **पन्नासा** (50) बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि संति। पत्तेंग पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि। **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि?

1. Digambara Jain Agamas are mostly written in this language-
दिगम्बरजेणागमाणं भासा इमा अत्थि-
(A) पैशाची (B) शौरसेनी
(C) अर्धभागधी (D) अपभ्रंश

2. This language represents Middle Indo-Aryan period-
इमा मज्झभारतीयजुगीणा अज्ज-भासा अत्थि -
(A) पाइय (B) वैदिक संस्कृत
(C) तमिल (D) बंगला

3. Words ending with consonants are not used in this language-
इमम्मि भासाए व्यंजनांताणं पदाणं वयोगो ण होहि-
(A) वेदिगभासा (B) लोकिगभासा
(C) छांदस्-भासा (D) पाइयभासा

4. This statement is true-
इमं कहणं सच्चं अत्थि-
(A) प्राकृत में ऋ, ॠ, ऌ, ॡ का प्रयोग नहीं होता है।
(B) प्राकृत में ऋ, ॠ, ऌ, ॡ का प्रयोग होता है।
(C) प्राकृत में केवल ऋ, ॠ का प्रयोग होता है।
(D) प्राकृत में केवल ऌ, ॡ का प्रयोग होता है।

5. This statement is not true-

इमं कहणं असच्चं अत्थि–

(A) प्राकृत में सर्वत्र मूर्धन्य 'ण' का प्रयोग होता है।

(B) प्राकृत में 'ज' के स्थान पर 'य' ध्वनि का प्रयोग होता है।

(C) प्राकृत में दन्त्य 'स' का प्रयोग होता है।

(D) प्राकृत में 'म्' के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।

6. The language of Gahāsattasai is -

'गाहासत्तसई'–गंथस्स भासा अत्थि–

(A) मगही (B) अड्ढमगही

(C) सोरसेणी (D) महरट्ठी

7. In Maharashtri Prakrit 'Tdrishi' word will be changed as-

'ईट्टशी' इत्तस्य सद्दस्स महरट्ठीपाइये इमं परिवट्टणं होइ–

(A) इदिसी (B) इरिसी

(C) ईदिसि (D) इदिसि

8. Sandhi of a/ā + i/ī in Prakrit language becomes as-

पाइयभासाए अ/आ + इ/ई सन्धि होदि –

(A) ए (B) ऐ

(C) ओ (D) उ

9. Sandhi-viccheda of word 'daṇuënda' is -

'दणुएंद' सद्दस्स अयं संधिविच्छेदो अत्थि –

(A) दणुअ + इंद (B) दणुरक + इंद

(C) दणुअ + ईंद (D) दणुज + ईंद

10. The example of 'ādisvarāgama' is-

आदिस्वरागमस्स उदाहरणं इमं अत्थि –

(A) इत्थी (B) अमतं

(C) अम्बं (D) उम्मि

11. The Prakrit version of 'nadi' is-

'नदी' सद्दस्स पाइयरूवं अत्थि –

(A) णई (B) नदी

(C) नइ (D) णादी

12. Sandhi-viccheda of 'ṇavelā' is -

'णवेला' इत्तस्स संघिविच्छेदो अत्थि–

(A) णव + एला (B) नव + एला

(C) णव + ऐला (D) नवा + एला

13. The example of 'madhya-svaragama' is-

मध्यस्वरागमस्स उदाहरणं अत्थि –

(A) गरिहा (B) सिलखलिअं

(C) पघवलि अरुणो (D) मालोहउ

14. The example of 'svarabhakti' is -

'स्वरभक्ति' इत्तस्स उदाहरणं अत्थि –

(A) चोरिअं (B) केटवइ

(C) गइ (D) गहिअ

15. Sanskrit form of the word 'ākara' changes into Ardhamagadhi version as -

सक्कयस्स 'आकर' सद्दस्स परिवट्टियं रूवं अर्धमागधीभासाए इमं अत्थि–

(A) आपर (B) आगर

(C) आखर (D) आवर

16. Language of Kashāya-pāhuda agama is-

कषायपाहुडागमस्स भासा इमा अत्थि–

(A) मागधी (B) अर्धमागधी

(C) पैशाची (D) शौरसेनी

17. सब्बे पाणा पियाउया, सुहसाया, दुक्खडिकूला, अप्पियवहा, पियजीविणो, जीविउकाआ। सब्बेसिं जीवियं पियं।

This statement is quoted from this book

इमं बयणं इमस्स आगमस्स अत्थि–

(A) समवायांग (B) सूत्रकृतांग

(C) स्थानांग (D) आचारांग

18. This is a work of Kunda Kunda-

कुंदकुंदस्स रयणा अत्थि–

(A) समयसार (B) सारावली

(C) मध्यान्तविभाग (D) श्रमणकथा

19. The work of Vararuchi is-

वररुचिस्स रयणा अत्थि–

(A) प्राकृतशब्दानुशासन (B) सिध्दहेम शब्दानुशासन

(C) प्राकृतप्रकाश (D) प्राकृतरूपावतार

20. The book written by Trivikramdeva is-

त्रिविक्रमदेवस्स रयणा अत्थि–

(A) प्राकृतप्रकाश (B) प्राकृतशब्दानुशासन

(C) षड्भाषाचन्द्रिका (D) प्राकृतसर्वस्व

21. Pravarasena has written this book-

प्रवरसेनस्स रयणा अत्थि–

(A) मृच्छकटिक (B) पउमचरिउ

(C) सेतुबन्ध (D) समयसार

22. The rock-edict of Emperor Ashok written in Kharoshthi script is-

सम्राट्–अशोकस्स अयं सिलालेहो खरोष्ठीलिविए अत्थि –

(A) शाहबाजागढ़ी शिलालेख (B) गिरनार शिलालेख

(C) कौशाम्बी शिलालेख (D) भाब्रूशिलालेख

23. Meaning of word 'Samāja' inscribed in Girnar Rock-edict is-

गिरनार-सिलालेहे 'समाज' इत्तस्स सद्दस्स अयं अत्थो अत्थि-

(A) अवसर (B) उत्सव

(C) विवाह (D) मण्डप

24. The inscription of Hathi gumpha were caused to be inscribed by -

हाथीगुंफासिलालेहे अणेण उक्किण्णो काराविअ -

(A) अशोक (B) चन्द्रगुप्त

(C) श्रीगुप्त (D) खारवेल

25. घातापयिता राजगहं उपपीडापयति। एतिनं च कंभापदान-संनादेन संवितसेन-वाहनो विपमुंचितमधुरं अपयातो यवनराज डिमित (सो?) यछति (वि) पलवकपरूखे हय-गज-रध-सह-यंते सवधरावास परिवसने स-अगिणठिया।

This inscription inscribed with the above text is-

उवरिलिहिदं गज्जंसं इमम्मि सिलालेहे उक्किण्णं अत्थि-

(A) गिरनार सिलालेख (B) प्रयाग प्रशस्ति

(C) महरौली स्तम्भलेख (D) हाथीगुंफा शिलालेख

26. The first chapter of Pravacanasāra is -

पवयणसारस्स पढमो अहिगारो इमं अत्थि-

(A) ज्ञेयाधिकार (B) ज्ञाताधिकार

(C) ज्ञानाधिकार (D) तत्त्वाधिकार

27. Author of Sanmatitarka-prakarana is -

सन्मतितर्क-प्रकरणस्स लेहगो अयं अत्थि -

(A) वर्धमान- महावीर (B) हेमचन्द्राचार्य

(C) सिध्दसेन (D) राजशेखर

28. Karpūramañjarī is considered as this type of book-

कर्पूरमंजरी इमाए विहाए लिहिदा रयणा अत्थि–

(A) प्रकरण (B) सट्टक

(C) भाण (D) नाटिका

29. Author of Kuvalayamālākahāia -

कुवलयमालाकहाए लेहगो अयं अत्थि–

(A) हेमचन्द्र (B) उद्योतनसूरि

(C) पुष्पदंत (D) शूद्रक

30. Hero of Mricchakaṭika drama is-

मृच्छकटिकनाटकस्स अयं नायको अत्थि–

(A) शर्विलक (B) चारुदत्त

(C) शकार (D) स्थावरक

31. विचलइ णेउरजुअलं

छिज्जन्ति अ मेहला मणिक्खइआ।

बलया अ सुन्दरअरा

रअणंकुरजालपटिबध्दा॥

Above verse is taken from this book-

इमा गाहा इमम्मि गंथे अत्थि–

(A) कर्पूरमञ्जरी (B) अविमारकं

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलं (D) मृच्छकटिकं

32. 'Keshi-Gautam-dialogue' is a part of this agama -

केसी – गौतम – संवादो अस्स अगमस्स अंसो अत्थि–

(A) आचारांग (B) स्थानांग

(C) समवायांङ्ग (D) उत्तराध्ययन

33. Pāialacchī-nāmamālā is considered as this type of literature -

पाइअलच्छी-नाममाला णामकस्स गंथस्स विहा इमा अत्थि -

(A) मुक्तकसंग्रह (B) स्तोत्र

(C) कोश (D) कथा

34. Author of 'Vrittajati samucchaya' is-

'वृत्तजाति-समुच्चय' णामगस्स गंथस्स लेहगो अयं अत्थि-

(A) नन्दिताढ्य (B) विरहांक

(C) सिंहराज (D) मार्कण्डेय

35. 'Prakrit-Paiṅgalam' is a book related to this type of literature-

'प्राकृत-पैंगलम्' णामगस्स गंथस्स इमा विहा अत्थि -

(A) कोश (B) अलंकारशास्त्र

(C) छन्द (D) व्याकरण

36. Author of 'Prakrit Prakasha' is-

'प्राकृत-प्रकाश' णामगस्स गंथस्स लेहगो अयं अत्थि-

(A) वररुचि (B) हेमचन्द्र

(C) मार्कण्डेय (D) चण्ड

37. Author of Dravyasaṁgraha is -

'द्रव्य-संग्रह' णामगस्स गंथस्स लेहगो अयं अत्थि-

(A) सिध्दसेन (B) कुन्दकुन्द

(C) हेमचन्द्र (D) नेमिचन्द्र

38. 'Loya-Pariṇṇā' is a part of this agama -

'लोयपरिण्णा' अस्स आगमस्स अंसो अत्थि-

(A) आच्चरांग (B) स्थानांग

(C) उत्तराध्ययन (D) समवायांग

39. 'Viyaha-paṇṇātti' āgama is known also by this name -

'वियाह पण्णत्ति' इसस्स गंथस्स अवरणाम इमं अत्थि –

(A) आच्चारांग (B) भगवतीसूत्र

(C) समवायांग (D) स्थानांग

40. Prakrit is considered a language of this family-

पाइयं (प्राकृतं) अस्स परिवारस्स भासा अत्थि–

(A) यूरोपीय (B) मध्यभारतीय

(C) केल्टिक (D) सेमेटिक

41. (i) आचारांग (ii) सूत्रकृतांग

(iii) स्थानांग (iv) ज्ञाताधर्मकथांग

Out of the above, the Ardhamagadhi agamas are shown as-

इमेसू अर्धमागधी–आगमगंथा इमा सन्ति–

(A) (i) (B) (ii), (iii) एवं (iv)

(C) (i), (ii) एवं (iii) (D) उत्त–सब्बे गंथा

42. (i) षड्खण्डागमसूत्र (ii) कषायपाहुड

(iii) समवायांग (iv) आचारांग

Out of the above, the Shaurasenī agamas are -

इमेसु शौरसेनी–आगमगंथा इमे संति–

(A) (i) (B) (ii), (iii) एवं (iv)

(C) (i) एवं (ii) (D) उत्त–सब्बे गंथा

43. Shūdraka is a writer of this work-

शूद्रकस्स इमा रयणा अत्थि–

(A) मृच्छकटिकं (B) स्वप्नवासवदत्तं

(C) कर्पूरमंजरी (D) विक्रमोर्वशीयं

44. This is not a book on metres-

अयं छंदगंथो णत्थि –

(A) समराइच्चकहा (B) वृत्तजातिसमुच्चय

(C) कविदर्पण (D) प्राकृतपैंगलं

45. Main Prakrit lexicons are -

पमुह–पाइय– कोसगंथा इमे संति–

(A) पाइअलच्छीनाममाला, देशीनाममाला, पाइअसद्दमहण्णवो

(B) जयपाहुड, प्राकृतपैंगलं, कादम्बरी

(C) समराइच्चकहा, कविदर्पण, देशीनाममाला

(D) पाइअलच्छीनाममाला, समराइच्चकहा, कविदर्पण

46. These are related to story literature -

इमा कथागंथा संति–

(A) वसुदेवहिण्डी, तरंगवती, समराइच्चकहा

(B) तरंगवती, कविदर्पण, वज्जालग्गं

(C) वसुदेवहिण्डी, तरंगवती, प्राकृतपैंगलं

(D) समराइच्चकहा, वृत्तजातिसमुच्चय, तरंगवती

47. Author of 'Samrāīccakahā' is-

समराइच्चकहा गंथस्स लेहगो अयं अत्थि–

(A) हरिभद्र (B) जिनदत्त

(C) जिनभद्र (D) हेमचन्द्र

48. Prakrit word 'aggi' is known in Sanskrit as-

पाइयभासाए 'अग्गि' सद्दस्स संस्कृतरूवं इमं अत्थि–

(A) अग्रिम (B) अग्रि

(C) अग्नि (D) अग्रे

49. Prakrit form of Sanskrit word 'bhavanti' is-

सक्कयभासाए 'भवन्ति' इत्तस्स पाइयरुवं इमं होइ–

(A) होहिंति (B) होंति

(C) होंतु (D) होमो

50. This form is suffixed with 'Shatṛi-Shānac'

इमं शतृ–शानचन्तरुपं अत्थि

(A) होत (B) होंत

(C) होज्ज (D) होऊण

- o O o -

Space For Rough Work